कांष्टेबिलवृत्तान्तमाला

वा

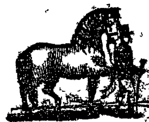
पुलिसवृत्तान्तमाला

का

दूसरा भाग।

जिसे

भारतजीवन सम्पादक बाबू रामकृष्ण
वर्म्मा ने सर्वसाधारण के उपकारार्थ
सरल भाषा में अनुवाद कर
प्रकाश किया।



॥ काशी ॥

भारतजीवन प्रेस में मुद्रित हुई।

सन् १९०१ ई०।

प्रथम बार १०००] [मूल्य ॥)